5 उपसर्ग

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- उपसर्गों को समझाना।
- उपसर्गों के प्रकारों को समझाना।
- शब्दांश व शब्द में अंतर समझाना।
- हिंदी के शब्दों में उर्दू, फ़ारसी, अंग्रेज़ी के उपसर्गों के प्रयोग को समझाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- एक शब्द से दूसरा शब्द बनाना संभव है या नहीं?
- क्या शब्दांश का कोई अर्थ होता है?
- कुछ ऐसे विलोम शब्द बताइए, जिनके विलोम 'अ' लगाकर बनते हैं।

प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - शब्द रचना एक प्रक्रिया है।
  - शब्द के आरंभ में शब्दांश जोड़कर नया शब्द बनाना उपसर्गों के योग से नव शब्द निर्माण कहलाता है।
  - उपसर्ग भाषा के सार्थक खंड हैं।
  - उपसर्ग शब्द की तरह स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त नहीं होते।
  - उपसर्ग के रूप–तत्सम, तद्भव, आगत/विदेशी।
  - उपसर्ग के प्रयोग से नव शब्द में कभी परिवर्तन होता है, कभी नहीं।

परिवर्तन नहीं –	बे	+	वक्त	=	बेवक्त
	उपसर्ग	+	शब्द	=	नया शब्द
परिवर्तन के साथ –	अति	+	अधिक	=	अत्यधिक
	उपसर्ग	+	शब्द	=	नया शब्द

  - एक उपसर्ग का अनेक शब्दों से मेल संभव है।

    'सु' उपसर्ग– सु + पुत्र   सु + व्यवस्था   सु + आगत   सु + कन्या   सु + पुत्री   सु + गंध
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।